अनंत संभावनाओं की ओर

एक यात्रा

पंचतत्व के माध्यम से इस गाथा का वर्णन

वर्षों से कार्यरत और निरंतर आगे बढ़ते हुए

आरईसी

REC

असीमित ऊर्जा, अनन्त संभावनाएं

Endless energy. Infinite possibilities.

गौरवमयी अतीत, उज्ज्वल भविष्य

वर्षों से कार्यरत और निरंतर आगे बढ़ते हुए...

सफल यात्रा को जारी रखते हुए

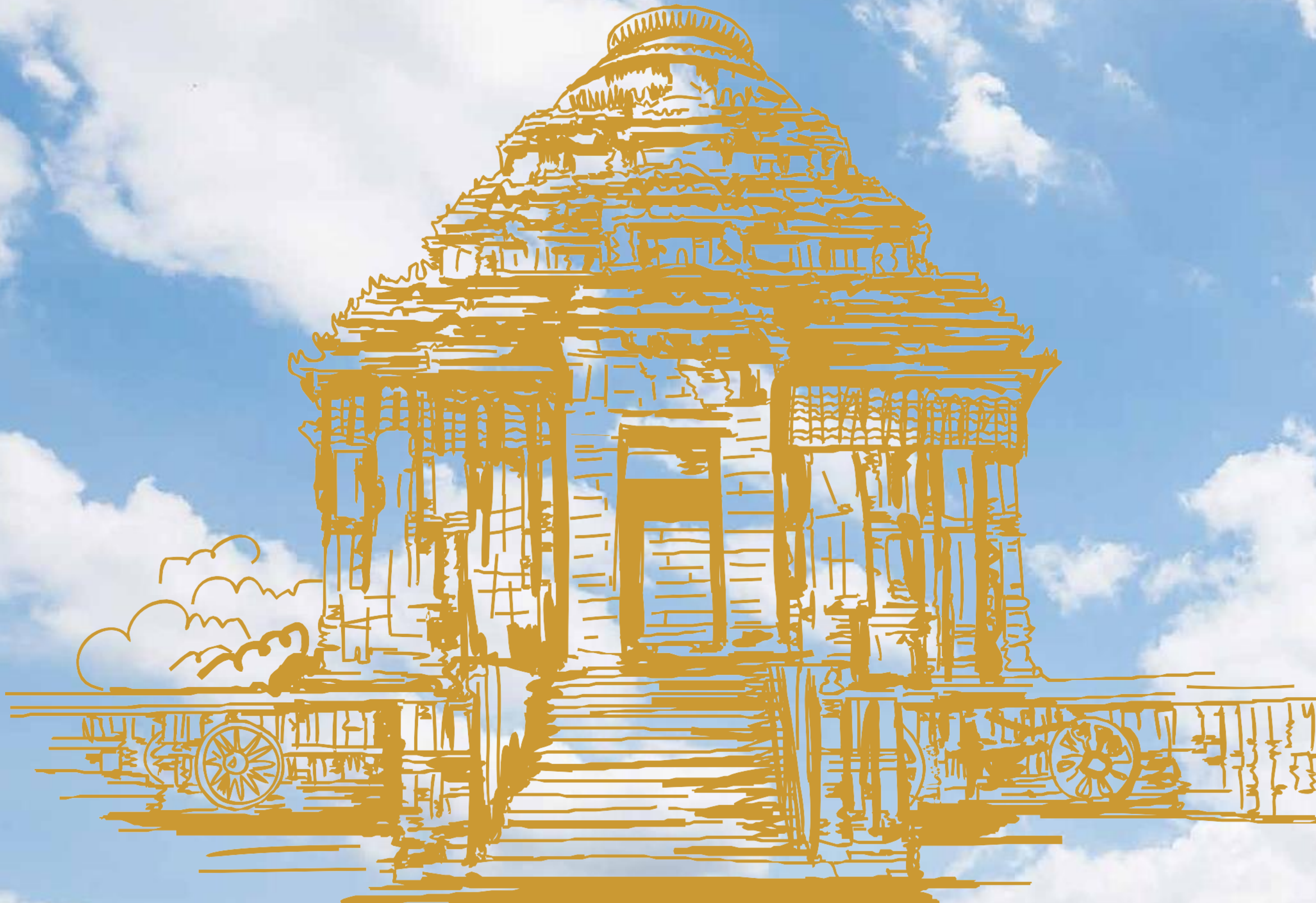

कोणार्क सूर्य मंदिर, तेरहवीं शताब्दी के सूर्य मंदिर (जिसे ब्लैक पैगोडा के नाम से भी जाना जाता है), गंगा राजवंश के राजा नरसिम्हादेव प्रथम (1236-1264 ई.) द्वारा उड़ीसा में लाल बलुआ पत्थर (खंडोलाइट) और काले ग्रेनाइट से निर्मित है। इस सूर्य मंदिर का निर्माण 13वीं शताब्दी में पूर्वी गंगा राजवंश के पहले राजा नरसिम्हा देव (जिनके परदादा ने पुरी में जगन्नाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था) द्वारा ओड़िशा के मंदिर-निर्माण चरण के अंत में किया गया था। सूर्य देव को समर्पित, इसे उनके विशाल ब्रह्मांडीय रथ के रूप में बनाया गया था, जिसमें 12 जोड़ी पहिए थे, जिसे सात घोड़े खींच रहे थे (दुख की बात है कि अब केवल एक ही घोड़ा बचा है)।

ॐ! विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव!
यद् भद्रंतन्न आ सुव!!

ॐ। हे ईश्वर, ब्रह्मांड के निर्माता और सभी सुखों के दाता।

हमें बुरी आदतों, बुरे कर्मों और संकटों से दूर रखें।

हमें वही मिले जो हमारे लिए अच्छा हो।

आरईसी
REC
असीमित ऊर्जा, अनन्त संभावनाएं
Endless energy. Infinite possibilities.

सूर्य अनंत ऊर्जा का स्रोत है। भारत ने प्राचीन काल से ही "सूर्य" की अपार शक्ति को एक परोपकारी और सर्वोच्च पोषक के रूप में मनाया है।

आरईसी का लोगो (logo) सर्वशक्तिमान सूर्य और सूर्य की ऊर्जा जैसी अनंत संभावनाओं का दोहन करने की उसकी आकांक्षाओं को श्रद्धांजलि है, जैसा कि टैगलाइन "असीमित ऊर्जा, अनंत संभावनाएं" में दिखाई देता है।

केदारनाथ मंदिर, उत्तराखण्ड

सत्यमेव जयते

श्री आर.के. सिंह

विद्युत और नवीन एवं
नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री
(स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास
और उद्यमिता राज्य मंत्री

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि आरईसी लिमिटेड (आरईसीएल) राष्ट्र के प्रति अपनी सेवा के 51 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाते हुए एक प्रकाशन ला रहा है।

आरईसी लिमिटेड, 1969 में अपनी स्थापना के बाद से, विद्युत मंत्रालय के ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रमों के लिए नोडल एजेंसी के रूप में विद्युतीकरण अभियान में सबसे आगे रहा है। पंप सेटों के ऊर्जाकरण के वित्तपोषण से लेकर अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनियों में से एक बनने तक, आरईसी ने हमारे देश में विद्युत क्षेत्र के विकास की दिशा में सराहनीय पहल करके एक मजबूत विरासत और समृद्ध इतिहास बनाया है। सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण के आंदोलन में आरईसी का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

मैं आरईसी लिमिटेड और उसके कार्मिकों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ और उनकी सराहना करता हूँ। मुझे विश्वास है कि आरईसी देश के इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र को सशक्त बनाने और हमारे लाखों देशवासियों के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

श्री आर.के. सिंह

अक्षरधाम मंदिर, दिल्ली

सत्यमेव जयते

श्री संजीव एन. सहाय

सचिव, विद्युत मंत्रालय

भारत सरकार

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि आरईसी लिमिटेड (पूर्व में रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड), विद्युत मंत्रालय के तहत एक नवरत्न सीपीएसई, अपने 51वें स्थापना दिवस के अवसर पर, 1969 में अपनी स्थापना के बाद से अपनी समृद्ध विरासत एवं संस्कृति,उपलब्धियाँ और सफलताओं की विशेषताएं बताते हुए अपनी पहली कॉफी टेबल पुस्तक प्रकाशित कर रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में, आरईसी लिमिटेड ने सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हरित क्रांति और सौभाग्य की सफलता आरईसी लिमिटेड और उसके कार्मिकों के लिए छोटी बात नहीं है। मुझे विश्वास है, यह प्रकाशन आरईसी की पांच दशकों की यात्रा में किए गए वर्क कल्चर, उपलब्धियों और सफलताओं का दस्तावेजीकरण करने में उपयोगी होगा।

मैं आरईसी लिमिटेड के 51वें स्थापना दिवस पर आरईसी के सभी कार्मिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

संजीव नंदन सहाय

मीनाक्षी मंदिर, तमिलनाडु

श्री संजीव कुमार गुप्ता

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
और निदेशक (तकनीकी)
आरईसी लिमिटेड

राष्ट्र की पांच दशकों से अधिक की सेवा की उल्लेखनीय उपलब्धि पर, मैं सबसे पहले आरईसी लिमिटेड की पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ। यह टीम के निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है कि शुरुआत से ही हमारा विकास पथ मजबूत और उल्लेखनीय रूप से स्थिर रहा है।

मैं भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय को हम पर भरोसा करने और दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) और प्रधान मंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) जैसी उनकी प्रमुख विद्युतीकरण योजनाओं के माध्यम से लाखों लोगों की आकांक्षाओं को रोशन करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ।

आरईसी अपनी शानदार सफलता का श्रेय अपने अन्य हितधारकों - हमारे ग्राहकों, हमारे साझेदारों, हमारे शेयरधारकों और उस समुदाय को भी देता है जो हमें प्रगति करने और आगे बढ़ने में सहयोग देता है।

आरईसी अपनी वित्तीय सहायता और तकनीकी विशेषज्ञता के माध्यम से देश के विद्युत क्षेत्र के परिदृश्य को सुव्यवस्थित और मजबूत करने की दिशा में अथक प्रयास कर रहा है। यह विशेष प्रकाशन पचास वर्षों से अधिक के हमारे गौरवशाली अतीत को समाहित करता है और भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा बना रहेगा। जैसे-जैसे भारत 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, आरईसी हमें आर्थिक महाशक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

मैं इस विशेष प्रकाशन को प्रकाशित करने के लिए महान प्रयास करने वाली टीम को बधाई देता हूँ और आरईसी लिमिटेड के सभी लोगों को एक ऊर्जावान भविष्य की शुभकामनाएं देता हूँ!

संजीव कुमार गुप्ता

दक्षिणेश्वर काली मंदिर, पश्चिम बंगाल

श्री अजय चौधुरी
निदेशक (वित्त)
आरईसी लिमिटेड

पिछले पचास वर्षों से कार्यरत

यह कॉफी टेबल पुस्तक सिर्फ एक कंपनी की यात्रा का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि अरबों लोगों वाले एक राष्ट्र की क्रांति का इतिहास है। जैसा कि हम अपनी स्वर्ण जयंती मना रहे हैं, यह उन अनगिनत क्षणों को फिर से जीने का समय है जिसके कारण उस मजबूत नींव का निर्माण हुआ जिस पर आरईसी आज खड़ा है। यह न केवल यादें ताजा करने का क्षण है, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और विकास के लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से एक साथ आगे बढ़ने का भी समय है।

1969 में अपनी स्थापना के बाद से, आरईसी ने ऐतिहासिक माइलस्टोन हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, चाहे वह शुरुआत में ही हरित क्रांति को सफल बनाना हो, या सौभाग्य के तहत देश के हर घर को बिजली देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना हो। यह कॉफ़ी टेबल पुस्तक आरईसी की स्थापना से लेकर आज तक की पूरी यात्रा को दर्शाती है और पिछले कुछ वर्षों में हासिल किए गए सभी माइलस्टोन को संग्रहीत करती है।

पूरी यात्रा को "पंच तत्व" (पांच तत्व) की अवधारणा के माध्यम से बताया गया है, जहां पृथ्वी (अर्थ), जल (वॉटर), अग्नि (फायर), वायु (एयर), और आकाश (स्काई) - प्रकृति के आवश्यक तत्व हैं, गाथा के विषय बनते है। हमें उम्मीद है कि पाठकों को यह प्रकाशन आकर्षक लगेगा और इस सम्मिलित प्रयास से काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

अंत में, मैं अपनी पूरी टीम को बधाई देना चाहता हूँ और आशा करता हूँ कि आने वाले वर्षों में हम उस प्रतिष्ठा और गौरव को और आगे बढ़ाएंगे जो बहुत कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता से अर्जित किया है।

अजय चौधुरी

विषय-सूची

बिजली का इतिहास	**02**
आरईसी की अब तक की यात्रा	**07**
पंचतत्व	**15**
भारत को रोशन करते हुए	**38**
विकास में भागीदार	**44**
भविष्य के लीडर्स का निर्माण	**50**
कारोबार से आगे की सोच	**52**
हमारी दूरदर्शिता	**56**
हमारे कार्मिक	**58**
मजबूत पहचान, शानदार इतिहास	**62**
भविष्य की राह	**68**
अभिस्वीकृति	**70**
संदर्भ	**72**

जब क्रान्ति की हवा चलती है,
तो कुछ दीवारें बनाते हैं,
जबकि अन्य पवनचक्कियाँ बनाते हैं।

अनुवाद किया जा रहा है।